

A-0191

Total Pages : 5

Roll No.

MY-603/MY-203

M.A. YOGA (MAY)

(प्राकृतिक चिकित्सा)

3rd Sem./2nd Year Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs.

Max. Marks : 70

Note :- This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. *Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.*

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2×19=38

Note :- Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Describe the Different types of Fast. Why fasting acts as a super medicine in the treatment of disease ?

उपवास के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करते हुए, समझाइए कि क्यों उपवास रोगों के निवारण में महौषधि का कार्य करता है ?

2. What is the importance of Air therapy and Air bath in the prevention of disease how does it affect the body in curing the disease ?

वायु चिकित्सा व वायु स्नान का स्वास्थ्य रक्षण के लिए क्या महत्व है ? इसका शरीर पर रोग निवारण हेतु क्या प्रभाव पड़ता है ?

3. What is the importance of bath in naturopathy ? Describe variation types of bath what is the difference in action reaction of whole wet sheet pack and steam bath.

प्राकृतिक चिकित्सा में स्नान का क्या महत्व है ? विभिन्न प्रकार के स्नानों का वर्णन करते हुए, सम्पूर्ण गीली चादर लपेट तथा वाष्प स्नान की शरीर पर क्रिया प्रतिक्रिया में क्या भेद है ?

4. Explain foreign matter theory of Naturopathy.

प्राकृतिक चिकित्सा के विजातीय द्रव्य सिद्धान्त को समझाइए।

5. What do understand by Pranic Healing ? Discuss in detail the basic Technique of Pranic Healing.

प्राण चिकित्सा से आप क्या समझते हैं ? प्राण चिकित्सा की मुख्य विधियों की विस्तार से चर्चा कीजिए।

Section-B

(खण्ड-ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4×8=32

Note :- Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Describe the Acute and chronic disease in detail according to naturopathy.

प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसार तीव्र एवं जटिल रोगों की व्याख्या कीजिए।

2. Describe the relation between Parana Energy and immunity power.

प्राण ऊर्जा एवं प्रतिरोधक क्षमता का क्या सम्बन्ध है ? वर्णन कीजिए।

3. Write down the technique and common benefits of Sun therapy.

सूर्य चिकित्सा की विधि व सामान्य लाभ लिखिए।

4. Explain the method and precaution of Purn Upwas.

पूर्ण उपवास की विधि व सावधानी बताइए।

5. What is Abhyang ? Explain.

अभ्यंग क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

6. Write about the importance of *five* elements in Naturopathy.

प्राकृतिक चिकित्सा में पंचतत्वों के महत्व को समझाइए।

7. Explain difference between naturopathy and modern therapy.

प्राकृतिक चिकित्सा व आधुनिक चिकित्सा में अन्तर बताइए।

8. What is the relevance of Naturopathy in present time ?

वर्तमान समय में प्राकृतिक चिकित्सा की क्या प्रासंगिकता है ?
